मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 178, मुंबई, सोमवार, 22 अगस्त, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

मुंबई में 5 करोड़ की कोकीन के साथ विदेशी महिला गिरफ्तार

मुंबई पुलिस किसी धमकी को हल्के में नहीं लेती। हम जांच में ATS, क्राइम ब्रांच और दूसरी एजेंसियों की मदद लेंगे।

विवेक फणसालकर, मुंबई पुलिस कमिश्नर

2 करोड़ रुपए का सोना भी जब्त

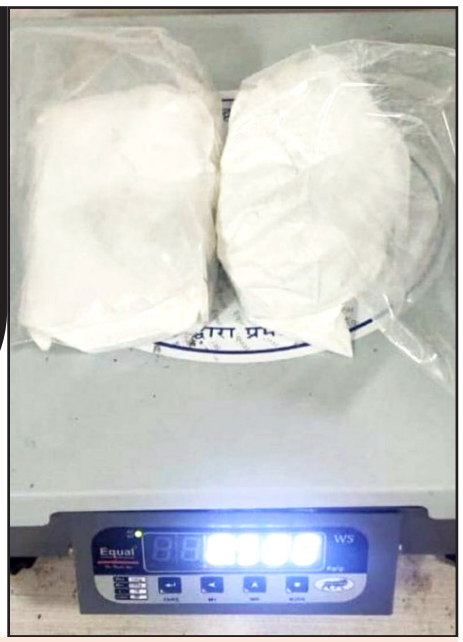

मुंबई हलचल / संवाददाता / मुंबई। कस्टम अधिकारियों ने 5 करोड़ रुपए के मूल्य के ड्रग्स के साथ एक विदेशी महिला को गिरफ्तार किया है। इस 50 साल की उम्र की विदेशी महिला के पास से 500 ग्राम कोकीन जब्त किया गया है। आरोपी महिला को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट से अरेस्ट किया गया है। इतना ही नहीं डीआरआई की मुंबई की टीम ने इसके अलावा सोना स्मगलिंग करते हुए पांच आरोपियों को भी पकड़ा है। इनके पास से 2 करोड़ के मूल्य का सोना जब्त किया गया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबई एयरपोर्ट पर जुर्म किया कबूल, गरीबी की वजह से हुई भूल

पूछताछ के दौरान बिंटू जानेह ने बताया कि वह एक गरीब परिवार से ताल्लुक रखती है। उसे एक अनजाने शख्स ने मुंबई के एक शख्स को माल पहुंचाने के एवज में कमीशन देने की बात कही थी। इथियोपिया की राजधानी अदिस अबाबा में यह पैकट उसे सुपूर्द किया गया। लेकिन जिस शख्स इस पैकेट की डिलिवरी करनी थी, उसके बारे में कुछ भी जानने से आरोपी महिला ने इनकार किया। कस्टम अधिकारी संबंधित महिला द्वारा दी गई जानकारियों के आधार पर इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान जानने की कोशिश कर रही है।

मुंबई में 26/11 जैसे हमले की धमकी

पुलिस को पाकिस्तानी नंबर से भेजा वॉट्सएप मैसेज, एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया

मुंबई। मुंबई में 26/11 जैसा हमला करने की धमकी दी गई है। पुलिस को पाकिस्तान के एक नंबर से शुक्रवार रात वॉट्सऐप मैसेज मिला। इसमें कहा गया है कि अगर लोकेशन ट्रेस की गई तो वह भारत के बाहर की मिलेगी और धमाका मुंबई में होगा। धमकी में कहा गया है कि 6 लोग भारत में, जो इस काम को अंजाम देंगे। जिस नंबर से यह मैसेज किया गया है वह पाकिस्तान का है। मैसेज में उदयपुर कांड का भी जिक्र है। इस मामले में पुलिस ने वर्ली थाने में एफआईआर दर्ज की है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

डॉन दाऊद इब्राहिम के भाई इकबाल कासकर अस्पताल में भर्ती

मुंबई। हिंदुस्तान से भाग कर पाकिस्तान के करांची से मुंबई अंडरवर्ल्ड का धंधा चला रहा डॉन दाऊद इब्राहिम के भाई इकबाल कासकर को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इकबाल कासकर को मुंबई के जे. जे. अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इकबाल कासकर ने शनिवार को दोपहर के बाद अचानक सीने में दर्द होने की शिकायत की। इसके बाद उसे ठाणे के तलोजा जेल से मुंबई के जे. जे. अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इकबाल कासकर को अस्पताल के आईसीयू में रखा गया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

हाल में ईडी ने की थी मुंबई में रेड, तब भी आया था इकबाल का नाम

इसके बाद ईडी ने मुंबई में दाऊद से संबंधित ठिकानों पर छापेमारियां की थीं। इन छापेमारियों में दाऊद इब्राहिम की दिवंगत बहन हसीना पारकर, इकबाल कासकर और छोटा शकील के एक रिश्तेदार से जुड़े ठिकाने भी शामिल थे। ये छापेमारियां प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट के तहत की गई थी। ईडी दाऊद इब्राहिम के मुंबई में अवैध रूप से प्रॉपर्टीज की खरीद और हवाला में लेन-देन की जांच कर रही है।

सांस लेने में तकलीफ, बुजुर्ग मरीजों के फेफड़ों पर बुरा असर

मुंबई में फिर पैर पसार रहा है कोरोना

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में दोबारा कोरोना सिर उठा रहा है। बीते कुछ दिनों से एक हजार से ज्यादा कोरोना के नए मामले सामने आ रहे हैं। इसी बीच कोरोना का यह संक्रमण लोगों के फेफड़ों पर असर कर रहा है। जिसकी वजह से लोगों को सांस लेने में काफी दिक्कतें पेश आ रही हैं। यह बीमारी ज्यादातर वरिष्ठ नागरिकों को अपनी चपेट में ले रही है। जो अन्य बीमारियों से भी ग्रसित हैं। यह समस्या उन लोगों को भी हो रही है जिन्होंने वैक्सीन की सभी डोज ली हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

छापों के निहितार्थ

दिल्ली सरकार के आबकारी विभाग की कथित अनियमितता ने सीबीआई को मौका दे दिया है और आमतौर पर पाक दामन होने का मजबूत दावा करने वाले उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया निशाने पर आ गए हैं। सीबीआई ने उनके घर और कम से कम सात राज्यों के 21 ठिकानों पर छापे मारे हैं और मंत्री समेत 15 के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। साफ है, यह छापेमारी नई आबकारी नीति व निर्णय से संबंधित है, लेकिन वास्तव में आरोपों में कितना दम है, यह तो जांच के बाद ही पता चलेगा। यह हम अच्छी तरह से जानते हैं कि दिल्ली की चुनी हुई सरकार और उप-राज्यपाल के बीच लंबे समय से सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। वर्तमान उप-राज्यपाल वी के सक्सेना ने पिछले दिनों मनीष सिसोदिया के खिलाफ सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। बताया जाता है, उन्होंने यह सिफारिश मुख्य सचिव की रिपोर्ट मिलने के बाद की थी। शिक्षा मंत्री सिसोदिया के पास आबकारी विभाग भी है और इस नाते वह फिलहाल मुसीबत में दिख रहे हैं। हालांकि, गौर करने वाली बात यह है कि छापे के बाद पहली प्रतिक्रिया सिसोदिया के अनुकूल ही गई है। आमतौर पर जब छापे पड़ते हैं, तो निशाने पर आए व्यक्ति को मुंह छिपाते हुए या अपने प्रतिद्वंद्वी पर तीखे आरोप लगाते देखा जाता है। इस बार हुआ यह है कि छापेमारी की जानकारी स्वयं सिसोदिया ने दी है और साथ ही यह भी कहा कि हम कट्टर ईमानदार हैं। लाखों बच्चों का भविष्य बना रहे हैं। बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे देश में जो अच्छा काम करता है, उसे इस तरह परेशान किया जाता है। इसीलिए हमारा देश अभी तक नंबर-1 नहीं बन पाया। सिसोदिया के इस कटाक्ष के निहितार्थ को समझने की कोशिश करनी चाहिए। हो सकता है कि सीबीआई की कार्रवाई तथ्यों पर आधारित हो, लेकिन कोई इस बात से भी इनकार नहीं कर सकता कि सीबीआई से पहले अनेक मामलों में गलतियां भी हुई हैं। सीबीआई को पूरी तैयारी और पुख्ता साक्ष्यों के साथ ही आगे बढ़ना चाहिए। वह एक स्वतंत्र एजेंसी है और चाहे, तो वाकई दूध का दूध और पानी का पानी कर सकती है। लोगों को उससे यही उम्मीद भी रहती है। वैसे भी, भारत में आबकारी एक ऐसा विभाग है, जिसे लेकर शुरू से शिकायतें रही हैं। जिस तरह की कथित शिकायत दिल्ली सरकार में मिली है, क्या वैसी ही शिकायत दूसरे राज्यों में नहीं होगी? क्या सीबीआई ने आबकारी विभाग से जुड़ी ऐसी किसी जांच को अंजाम तक पहुंचाया है? ऐसे सवाल बहुत उठेंगे और इस मामले में सीबीआई के अकाट्य जवाबों का इंतजार भी रहेगा। कानून-कायदे से अलग देखें, तो राजनीति के मोर्चों पर भी आरोपों-प्रत्यारोपों की खूब रौनक हो गई है। उसके विस्तार में जाने के बजाय हमें यह देखना चाहिए कि आम जन की भावना किधर है? आम आदमी पार्टी राजनीति में बहुत माहिर है, यह वह दिल्ली में मजबूत रहकर और पंजाब में सरकार बनाकर यह ठीक से साबित कर चुकी है। पार्टी कोई भी हो, राजनीति का अपना दायरा है, राजनीति में जांच एजेंसियों के इस्तेमाल के आरोप से अब बचना चाहिए। जांच एजेंसियों की निष्पक्षता पर अगर राजनीति मंडराने लगे, तो वर्तमान और भविष्य के राजनीतिक नतीजों के बारे में भी सोच लेना चाहिए। छापे पहले भी पड़े हैं, गलती नजर आए, तो पड़ने भी चाहिए, लेकिन छापों की विश्वसनीयता पर भी हर राजनीतिक पार्टी को सोचना चाहिए। उम्मीद है, जांच एजेंसी इस बार निराश नहीं करेगी।

कश्मीर को अछूत क्यों बना रहे हैं?

मैं तो वह दिन देखने को तरस रहा हूं कि जबकि कोई पक्का कश्मीरी मुसलमान भारत का राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री बन जाएं

जम्मू-कश्मीर को लेकर अब एक और नया विवाद छिड़ गया है। चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि जम्मू-कश्मीर में रहनेवाले अन्य प्रांतों के नागरिकों को अब वोट डालने का अधिकार मिलनेवाला है। जम्मू-कश्मीर की लगभग सभी पार्टियां इस नई पहल पर परेशान दिखाई पड़ रही हैं। पहले तो वे धारा 370 और 35 ए को ही हटाने का विरोध कर रही थीं। अब उन्हें लग रहा है कि उनके सिर पर एक नया पहाड़ टूट पड़ा है।

उनका मानना है कि केंद्र सरकार के इशारे पर किया जा रहा यह कार्य अगला चुनाव जीतने का भाजपाई पैतरा भर है लेकिन इससे जम्मू-कश्मीर का असली चरित्र नष्ट हो जाएगा। सारे भारत की जनता कश्मीर पर टूट पड़ेगी और कश्मीरी मुसलमान अपने ही प्रांत में अल्पसंख्यक बन जाएंगे। इस वक्त वहां की स्थानीय मतदाताओं की संख्या लगभग 76 लाख है। यदि उसमें 25 लाख नए मतदाता जुड़ गए तो उन बाहरी लोगों का थोक वोट भाजपा को मिलेगा। जम्मू के भी ज्यादातर वोटर भाजपा का ही साथ देंगे। ऐसे में कश्मीर की परंपरागत प्रभावशाली पार्टियां हमेशा के लिए हाशिए में चली जाएंगी। पहले ही निर्वाचन-क्षेत्रों के फेर-बदल के कारण घाटी की सीटें कम हो गई हैं। इसी का विरोध करने के लिए नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारुक अब्दुल्ला ने भाजपा को छोड़कर सभी दलों की एक बैठक भी बुलाई है। पीडीपी की नेता महबूबा मुफ्ती भी काफी गुस्से में नजर आ रही हैं। इन कश्मीरी नेताओं का गुस्सा बिल्कुल स्वाभाविक है, क्योंकि नेता लोग राजनीति में आते ही इसीलिए हैं कि उन्हें येन-केन-प्रकरेण सत्ता-सुख भोगना होता है। केंद्र सरकार इधर जो भी सुधार वहां कर रही है, वह उन नेताओं को बिगाड़ के अलावा कुछ नहीं लगता। ऐसे में इन कश्मीरी नेताओं से मेरा निवेदन है कि वे अपनी दृष्टि जरा व्यापक क्यों नहीं करते हैं?

यदि कश्मीरी नेता देश के गृहमंत्री, राज्यपाल, सांसद, राजदूत और केंद्र सरकार के पूर्ण सचिव बन सकते हैं तथा कश्मीरी नागरिक देश में कहीं भी चुनाव लड़ सकते हैं और वोट डाल सकते हैं तो यही अधिकार गैर-कश्मीरी नागरिकों को कश्मीर में दिए जाने का विरोध क्यों होना चाहिए? देश के जैसे अन्य प्रांत, वैसा ही कश्मीर भी। वह कुछ कम और कुछ ज्यादा क्यों रहे?

यदि कश्मीरी लोग देश के किसी भी हिस्से में जमीन खरीद सकते हैं तो देश के कोई भी नागरिक कश्मीर में जमीन क्यों नहीं खरीद सकते? हमारे कश्मीरी नेता कश्मीर जैसे सुंदर और शानदार प्रांत को अन्य भारतीयों के लिए अछूत बनाकर क्यों रखना चाहते हैं? मैं तो वह दिन देखने को तरस रहा हूं कि जबकि कोई पक्का कश्मीरी मुसलमान भारत का राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री बन जाएं।

मोदी-शाह डरते नहीं

सत्य है नरेंद्र मोदी और अमित शाह संघ को हैंडल करना जानते है। चतुर गुजराती व्यापारी की तासीर में मोहन भागवत, नितिन गडकरी जैसे मराठा नेताओं-स्वंयसेवकों को बेखूबी हैंडल कर सकते है। इसलिए इन्हे इस बात की रत्ती भर चिंता नहीं है कि संघ कही नाराज नहीं हो जाए। इसलिए अगले चार-छह महिनों में मोदी-शाह बनाम संघ परिवार में डाल-डाल, पांत-पांत होना है। मैं नहीं मानता कि भाजपा के संगठन को पुरानी संगठनात्मक पटरी पर संघ ला सकेगा। पार्टी उसी दशा में है जैसे एक वक्त वाजपेयी और आडवाणी के वक्त में थी। वाजपेयी ने अपनी सरकार और गांधीवादी-समाजवादी फाउंडेशन के वक्त संघ परिवार और उसके प्रचारकों को हाशिए में डाला था। जैसा अब है वैसे वाजपेयी सरकार के वक्त भी था। वाजपेयी-बृजेश मिश्रा-जसवंतसिंह-प्रमोद महाजन की सत्ता के आगे संघ प्रमुख सुर्दशन, दत्तोपंत ठेगंडी और उनके तमाम संगठन प्रमुख नाक रगडते रहते थे। वैसे ही आडवाणी के एकाधिकार के वक्त मोहन भागवत आदि के लिए वेंकैया-सुषमा-जेतली-अनंत कुमार की चौकड़ी से भाजपा को मुक्त कराना बड़ा मुश्किल था। तब नरेंद्र मोदी ने चुपचाप नागपुर में खेला कर

आडवाणी की पकड खत्म कराने के दाव चले थे। गुजरात से नरेंद्र मोदी ने पहले संघ के मदनदास देवी, सुरेश सोनी, भैय्याजी जोशी के मार्फत केंद्रीय संगठन की आडवाणी से मुक्ति का माहौल बनाया। परिणाम था जो वे नितिन गडकरी तब अध्यक्ष बने जिनका लोगों ने नाम भी नहीं सुना था। गडकरी देश में क्लिक होते लगे तो मोदी-जेतली ने दिल्ली के मीडिया और चिदबंरम के वित्त मंत्रालय का उपयोग करके गडकरी को ऐसा बदनाम बनाया कि उन्हे अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना पड़ा। राजनाथसिंह का वापिस मौका बना। और उसके बाद भाजपा का संगठन नरेंद्र मोदी के जादू में अंधा होता गया। अमित शाह अध्यक्ष बने तो उन्होने वही किया जो साहेब चाहते थे। अमित शाह के बाद संघ ने अपनी चलानी चाही। मगर मोदी-शाह ने होशियारी से भूपेंद्र यादव बनाम जेपी नड्डा का चुपचाप ऐसे विकल्प बनाया जिसमें संघ जेपी नड्डा के लिए रजामंद हुआ। कुछ जानकारों के अनुसार नवंबर में संघ टोली इस दलील पर अपनी पसंद का अध्यक्ष बनाएगी कि आप लोगों को जैसे सरकार चलानी हो चलाएं लेकिन संगठन को डिरेल नहीं होने देंगे। उसे वापिस पुराने चाल, चेहरे, चरित्र पर लौटाना है। सवाल है क्या मोदी- शाह तैयार होगे या ऐसा होने देंगे। मुश्किल है। दोनों सन 2024 और 2029 की प्रधानमंत्री कुर्सी के मकसद में भाजपा को पूरी तरह अपने कंट्रोल और अपने निजी वफादार लोगों की टीम मे कनवर्ट करते आ रहे है। इसलिए अगले तीन महिनों में कैबिनेट, प्रदेशों में मुख्यमत्री, प्रदेश अध्यक्ष के चेहरों में ऐसे अपने भक्त और निराकार चेहरे बैठाएगें जैसा कि गुजरात में केबिनेट और संगठन बना है। संघ का इरादा जानते-समझते हुए मोदी-शाह रत्ती भर सरकार की रीति-नीति और संगठन की लीडरशीप में संघ का प्रभाव औरसंचालन नहीं बनने देंगे।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

खिड़की में ग्रिल लगाते वक्त पांचवी मंजिल से गिरकर हुई युवक की मौत

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। खिड़की में ग्रिल लगाते वक्त पांचवी मंजिल से गिरकर युवक की मौत का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में विश्वसनीय सूत्रों द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 20 अगस्त शनिवार सवेरे 11 बजे मृतक फैसल मलिक रहवासी कुर्ला जरीमरी का बताया जा रहा है यह युवक वेल्डिंग का व्यवसाय किया करता था इस मृतक युवक की दुकान नारायण नगर में थी और यह युवक आनंद कोलीवाडा परिसर मैं स्थित इमारत न्यू नारायण पैलेस पांचवी मंजिल मैं रूम नंबर 504 की खिड़की में सवेरे ग्रिल लगा रहा था और खिड़की से गिर जाने की वजह से उसकी मौत हो गई है सूत्रों द्वारा यह बताया जा रहा है खिड़की में ग्रिल लगाते समय करंट लगने से मृतक इमारत से नीचे जमीन पर गिर गया वहीं दूसरी ओर स्थानीय रहवासियों द्वारा युवक का पैर फिसलने की वजह बताई जा रही है स्थानीय रहवासी द्वारा मुंब्रा पुलिस को सूचित किया गया सूचना मिलते ही घटनास्थल पर मुंब्रा पुलिस ने लाश का पंचनामा कर लाश को अपने कब्जे में लेकर कलवा छत्रपति शिवाजी महाराज हॉस्पिटल में पोस्टमार्टम हेतु के लिए भेज दिया इस मामले में मुंब्रा पुलिस द्वारा एडीआर दर्ज करते हुए आगे की छानबीन की जा रही है फिलहाल मृतक फैसल मलिक के परिवार के बारे में बताया जा रहा है कि अगले महीने में उनकी बेटी की शादी होने वाली है और पिता का आज देहांत हों गया है फिलहाल इस खबर से उनके घर में गम का माहौल छाया हुआ है बताया जा रहा है मृतक फैसल शेख पहले संजय नगर परिसर में ही उनके परिवार समेत रहा करते थे कुछ ही वर्ष पहले उन्होंने अपने परिवार को कुर्ला जरीमरी में स्थानांतरित कर दिया लेकिन अपने व्यवसाय के चलते वह रोज कुर्ला जरीमरी से मुंब्रा नारायण नगर मैं अपनी दुकान में आया करते थे।

'क्राइम पेट्रोल' के निर्माता को 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' के लेखक ने ठगा, ऑडी कार ले उड़ा

संवाददाता

मुंबई। अपराध जगत से जुड़े मशहूर टीवी सीरियल 'क्राइम पेट्रोल' के निर्माता के साथ ठगी की गई है। मुंबई के मालाड पुलिस स्टेशन में इससे जुड़ी शिकायत दर्ज करवाई गई है। बॉलीवुड फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' के लेखक और अभिनेता जीशान कादरी के खिलाफ निर्माता से 38 लाख रुपए की कीमत की ऑडी कार ठग लेने का मामला दर्ज किया गया है। मालाड पुलिस ने गुरुवार को 'क्राइम पेट्रोल डायल 100' के निर्माता के साथ ठगी के मामले में कादरी के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोप है कि जीशान कादरी ने ना सिर्फ निर्माता की कार उधार ले ली बल्कि एक साल से वे उनका कॉल भी नहीं उठा रहे और कार को 12 लाख रुपए में गिरवी भी रख दी है। मालाड पुलिस द्वारा दी गई जानकारियों के मुताबिक 22 जून 2021 को जीशान कादरी ने 'क्राइम पेट्रोल' के निर्माता राजबाला ढाका चौधरी के घर आकर उनके बेटे समीर चौधरी को कॉमेडी शो तैयार करने का ऑफर दिया। इसे सब टीवी पर प्रसारित किया जाना था। इसके बाद धीरे-धीरे कादरी ने चौधरी को शो के निर्माण के लिए पार्टनरशिप का ऑफर भी दिया। धीरे-धीरे चौधरी शो को फाइनांस करने के लिए भी तैयार हो गए।

तकादा किया तो फोन उठाना भी बंद किया

इसके बाद शो को लेकर चैनल प्रमुख, शो के डायरेक्टर और कलाकारों के साथ मीटिंग- सीटिंग के लिए कादरी ने कार की जरूरत बताई। इसके बाद कादरी ने चौधरी से उनकी ऑडी कार उधार मांगी। क्राइम पेट्रोल के निर्माता ने वो कार कादरी को कुछ दिनों के लिए दे दी। एक महीने के बाद चौधरी ने जब कादरी से अपनी कार मांगनी शुरू की तो उन्होंने फोन उठाना बंद कर दिया।

दूसरे की कार तीसरे को गिरवी में दिया, राइटर ने चूना लगा दिया

इसके बाद जीशान कादरी कभी फोन उठाते भी थे तो अक्सर कुछ ना कुछ बहाने कर जल्दी से रख दिया करते थे। वे कभी हाईकोर्ट में होने का बहाना बनाते या कभी मीटिंग में होने का बहाना बनाते। यह सिलसिला जब लंबा खिंचा और एक साल के बाद भी कादरी ने कार नहीं लौटाई तो चौधरी ने कार के बारे में पता किया तो जानकारी मिली कि उन्होंने निर्माता की कार अपनी एक महिला दोस्त को 12 लाख रुपए में गिरवी दे दी है।

फडणवीस बालासाहेब के नाम पर वोट मांग रहे, यह मोदी युग खत्म होने का संकेत, उद्धव ठाकरे का हमला

मुंबई। देवेंद्र फडणवीस बालासाहेब ठाकरे के नाम पर वोट मांग रहे हैं। यह इस बात का संकेत और कबूलनामा है कि मोदी युग अब खत्म हो चुका है। इन शब्दों में उद्धव ठाकरे ने डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और बीजेपी पर जोरदार हमला किया है। इससे पहले शनिवार (20 अगस्त) को मुंबई महानगरपालिका चुनाव के प्रचार अभियान की शुरूआत करते हुए फडणवीस ने बीजेपी कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित किया। फडणवीस ने उद्धव ठाकरे और उनके गुट की शिवसेना पर जम कर ताने कसे। उन्होंने शोले फिल्म का डायलॉग याद करते हुए कहा, कितने आदमी थे? 65 में से 50 गए। उद्धव ठाकरे ने पलटवार करते हुए कहा, देवेंद्र फडणवीस ने आज मुंबई में भाषण देते हुए कहा कि उन्हें बालासाहेब ठाकरे का सपना पूरा करने के लिए मुंबई महानगरपालिका की सत्ता चाहिए। यह कह कर वे बालासाहेब ठाकरे के नाम पर वोट मांगने की कोशिश कर रहे हैं। इससे यह भी संकेत मिलता है कि अब मोदी के नाम का इस्तेमाल करके कोई फायदा नहीं होने वाला है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मुंबई में 5 करोड़ की कोकीन के साथ विदेशी महिला गिरफ्तार

कस्टम विभाग ने इस पूरी कार्रवाई की जानकारी दी है। कस्टम्स एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) अधिकारियों ने गुरुवार की शाम छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अराइवल गेट वाले हॉल के पास आरोपी महिला बिंटू जानेह को रोक कर पूछताछ की। यह महिला इथयोपिया की राजधानी अदिस अबाबा से मुंबई पहुंची थी। आरोपी महिला ने अपने बैग में कोकीन छुपा कर रखा था।संबंधित महिला यह कोकीन मुंबई के एक शख्स को देने वाली थी। इसके अलावा सीमा शुल्क विभाग की ओर से बुधवार को मुंबई के इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास 2 करोड़ रुपए का 4.5 किलो सोना भी जब्त किया गया। कस्टम अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारियों के मुताबिक 17 अगस्त के दिन तीन अलग-अलग मामले में से एक में कालीकट-मुंबई फ्लाइट के टॉयलेट और सीट में छुपा कर सोने की तस्करी करते हुए तीन यात्रियों को अरेस्ट किया गया था। ये तीनों मुसाफिर शारजाह से मुंबई आए थे। बाकी दो मामलों में दो यात्री अपने सामानों में रखे गए कपड़ों में छुपा कर सोने की तस्करी कर रहे थे। वे दुबई से मुंबई पहुंचे थे। इन पांचों आरोपियों में आपस में कोई संबंध है क्या, इस बात की जांच की जा रही है।

मुंबई में 26/11 जैसे हमले की धमकी

वहीं, एक व्यक्ति को हिरासत में भी लिया गया है। इससे पहले मुंबई पुलिस कमिश्नर विवेक फणसालकर ने कहा कि कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर पर टेरर मैसेज मिला है। इसमें मुंबई को उड़ाने की धमकी दी है। मैसेज में अजमल कसाब और अल जवाई का भी जिक्र है। उस व्यक्ति ने भारत में भी कुछ लोगों के होने की बात कही है। नंबर में जो कोड दिख रहा है, वो पाकिस्तान का लग रहा है। जांच में नाम, पता, नंबर सबकी जानकारी मिल जाएगी। कमिश्नर ने कहा कि मुंबई पुलिस किसी भी धमकी को हल्के में नही लेती है। अभी मुंबई के वर्ली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। इसके बाद केस क्राइम ब्रांच को सौंपा जाएगा। हम जांच में एटीएस, क्राइम ब्रांच समेत दूसरी एजेंसियों की मदद भी लेंगे। 26 नवबंर 2008 की रात पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर के 10 आतंकवादी भारत में घुस गए। दो आर्तकियों ने दक्षिणी मुंबई के कोलाबा में स्थित लियोपोल्ड कैफे को निशाना बनाया, दो आर्तकियों ने नरीमन हाउस, तो वहीं बाकी आतंकी दो-दो की टोली में छत्रपति शिवाजी टर्मिनस, होटल ट्राइडेंट ओबरॉय और ताज होटल की तरफ बढ़ गए।

सांस लेने में तकलीफ, बुजुर्ग मरीजों के फेफड़ों पर बुरा असर

राज्य के अलग अलग मेडिकल कॉलेजों में भर्ती 200 कोरोना मरीजों की जांच में डॉक्टरों ने पाया कि उन्हें गले मे दर्द, जुकाम, सांस लेने में तकलीफ, असहज महसूस करना जैसे दिक्कतें हो रही हैं। जो बाद में मरीजों के फेफड़ों तक पहुंच गया। हालांकि इसकी वजह से मौत के आंकड़े में कोई बढ़ोतरी नहीं देखी गई। जबकि कुछ मरीजों को ऑक्सिजन की जरूरत पड़ रही है। मुंबई में बीते दो दिनों से लगातार एक हजार से ज्यादा कोरोना के नए मामले सामने आ रहे हैं। शुक्रवार को मुंबई में मुंबई कोरोना के 70 मरीजों को अस्पताल में भर्ती किया गया।

दाऊद इब्राहिम के भाई इकबाल कासकर अस्पताल में भर्ती

इकबाल कासकर फिरौती के मामले में इस वक्त न्यायिक हिरासत में है। वह अपनी न्यायिक हिरासत की अवधि ठाणे के तलोजा जेल में काट रहा है। हाल ही में नेशनल इन्वेस्टिंग एजेंसी (एनआईए) ने 1993 के मुंबई सीरियल ब्लास्ट के मास्टरमाइंड दाऊद इब्राहिम और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया था। एनआईए ने गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की धाराओं के तहत यह क्रिमिनल केस रजिस्टर किया था। दाऊद इब्राहिम, छोटा शकील, इकबाल कासकर समेत सात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया था। एनआईए का दावा है कि ये लोग भारत में होने वाली आतंकवादी कार्रवाइयों को करवाने में शामिल हैं और इनका संबंध पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद, जमात-उद-दावा और अल कायदा से है। इकबाल कासकर पाकिस्तान से भारत आकर दाऊद इब्राहिम के फिरौती के धंधे को संभाल रहा था। इसके बाद ठाणे पुलिस ने 2017 में उसे अरेस्ट कर लिया था। इकबाल कासकर ने पूछताछ में यह कबूल किया था कि पिछले एक साल में उसका दाऊद इब्राहिम से तीन से चार बार संपर्क हुआ है। दाऊद के साथ उसने वीओआईपी कॉल से संपर्क करने की बात कबूली थी। इकबाल ने दाऊद के पाकिस्तान में तीन घर होने की पुलिस को जानकारी दी थी।

अरावली क्षेत्रीय ग्रामीण फोटोग्राफी ऐसोसिएशन का विश्व फोटोग्राफी दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया

हितेश सोनी (रामाजी गुडा)

नाडोल ऋषिकेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में विश्व फोटोग्राफी दिवस पर अरावली क्षेत्रीय ग्रामीण फोटोग्राफी ऐसोसिएशन का विशाल सम्मान समारोह कृष्णभक्त दाता महेन्द्रसिंह राणावत की सानिध्य में मनाया गया। कार्यक्रम मेअमृतपरिहार नंदु कनसारा,लक्ष्मण गर्ग, राजूओम उपाध्यक्ष, लक्ष्मी नारायण सुहाना लेब पाली, विनश कलर लेब। विशिष्ट अतिथि पूर्व गोपाल पालन देव स्थान मंत्री ओटाराम देवासी, मा.ज.पूर्व विधायक केसाराम सीरवी, पशुधन विकाश बोर्ड राजस्थान रतन जणवा,अमरसिह राजपुरोहित ने शिरकत की कार्यक्रम मे देवासी ने विश्व फोटो ग्राफी दिवस पर

बताया की आज का युग डिजिटल युग है और फोटो ग्राफी जन जन का आईना है आज आज के युग मे तो प्रतियेक व्यक्ति के पास मोबाईल केमरा है। समारोह का सुभारम्भ दीव प्रज्वलित कर किया समारोह में प्रफुल भाई अहमदाबाद ने फोटोग्राफी एवं ऑविश भाई ने विडीयो ग्राफी सम्बंधी विस्तृत जानकारी दी। फोटोग्राफी के लिये मॉडलो ने एक्शन से पोज दिये। अरावली ऐसोसिएशन अध्यक्ष कान्तिलाल मालवीय उपाध्यक्ष मदनभाई माली, उपाध्यक्ष ताराचन्द माली रानी, भंवरलाल सोलंकी जयराम जगदीश कुमार हडमतसिह कुम्पावत, शेषाराम राठौड, अचलाराम प्रजापत, अजयवैष्णव, दिनेश भाई नील राजपुरोहित महावीरसिंह, दिनेश वैष्णव, कमलेश भाई, रमेश कुमार रानी, घेवरचन्द नायक, मुकेश रावल मांगीलाल किस्तुरचन्द, मोहनलाल, श्याम सुन्दर, अजय माली, प्रवीण पूरी, मेहबुब भाई,कानाराम घांची, थानाराम गैराली, नरेश भाई, केसुभाई, रमेश कुमार खिवाडा, पोकर राव, छगन चन्देल, पुनम चंद, प्रकाश बसी, अशोक निम्बाडा, सहित सैकडो ग्रामीण फोटो ग्राफरो ने भाग लिया। मंच संचालक महेन्द्र सोलंकी ने किया।

राव राजपूत समाज में शिक्षा का कोष बने : तेजराज सिंह

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। जयपुर में राव राजपूत वेलफेयर ग्रुप जयपुर द्वारा आयोजित 10 जिलों के प्रतिभावान विद्यार्थियों का शिक्षा सम्मान समारोह जयपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 10वीं और 12वीं के अलावा शिक्षा व अन्य क्षेत्र के प्रतिभाशालीओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक सत्यनारायण राव एवं अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में सत्यनारायण राव ईसरदा, बाघसिंह राव, तेजराज सिंह खरोड़िया, श्रवन सिंह बोरली, दिलीप सिंह सागवाडिया, हनुमान सिंह ईसरदा उपस्थित थे। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा राव राजपूत समाज की 160 से भी अधिक प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में तेजराज सिंह खरोड़िया द्वारा समाज में एक शिक्षा का कोष बनाने का कहा जिस में गरीब विद्यार्थियों को पढ़ाया जा सके। इसके लिए उन्होंने 21 लाख रुपए तक की आर्थिक सहयोग देने की घोषणा भी की। राव राजपूत वेलफेयर ग्रुप के मुख्य संरक्षक एस एन राव साहब ने कहां की शिक्षा समाज की महत्वपूर्ण भूमिका तथा समाज में ऐसे कार्यक्रम होते रहना चाहिए ताकि प्रतिभाशालियों को प्रेरणा मिलती रहे। कार्यक्रम का संचालन राव राजपूत महिला ग्रुप जयपुर द्वारा किया गया। राव राजपूत महिला वेलफेयर ग्रुप की अध्यक्ष वंदना सरगोठ द्वारा सभी अतिथियों का हार्दिक अभिनंदन और स्वागत किया गया तथा महिला कार्यकारिणी के कार्य के बारे में विस्तार से बताया। समाज की प्रतिभाओं के कैरियर के संबंध में डॉ अनिरुद्ध सिंह कोटा एवं डॉ मनोहर सिंह भटवासा चौबीसा ने मोटिवेशन उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में मार्गदर्शन मंडल के अशोक सिंह, धर्मेंद्र सिंह, कैलाश सिंह, राजेंद्र सिंह, महावीर सिंह, कैलाश सिंह, अरविंद सिंह, विक्रम सिंह आदि का भी सम्मान किया गया एवं राव राजपूत महिला वेलफेयर ग्रुप की कार्यकारिणी का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ मोनिका राव भटवाड़ा चौबीसा एवं श्रीमती पूनम कवर, सीमा चौहान द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बाहर से पधारे हुए अतिथियों का सम्मान किया गया। उक्त जानकारी जयपुर के वरिष्ठ पत्रकार कमलेश सिंह ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

पत्रकार रक्षक एकता सेवा संघ कुंडा इकाई अध्यक्ष बने अनुराग, हुआ भव्य सम्मान समारोह

मुंबई हलचल/ विद्या शंकर शुक्ला

प्रयागराज। प्रतापगढ़ बाघराय थाना क्षेत्र के गोगौरी गांव निवासी युवा पत्रकार अनुराग उपाध्याय को पत्रकार रक्षक एकता सेवा संघ द्वारा तहसील कुंडा अध्यक्ष बनाए जाने पर क्षेत्रीय पत्रकारों में प्रसन्नता की लहर है। शुक्रवार को कुंवर पब्लिक स्कूल लोसनापुर मे प्रबंधक अजयकुमार यादव के संयोजन में अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया। वही बिहार के युवा पत्रकार मोहित यादव ने तहसील अध्यक्ष अनुराग उपाध्याय को अंगवस्त्रम माल्यार्पण व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए कहा कि पत्रकार संगठन कुंडा की कमान अनुराग उपाध्याय जैसे साहसी एवं कर्मशील पत्रकार के हाथों में जाने से संगठन मजबूत होगा। वही क्षेत्र के पत्रकारों के ऊपर उत्पीड़न नहीं होने पाएगा पत्रकार हितों की रक्षा एवं पत्रकारों के मान सम्मान के लिए अब लड़ाई आर-पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। स्वागत से अभिभूत नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनुराग उपाध्याय ने कहा पत्रकार हितों के सम्मान के संघर्ष के लिए पीछे नहीं हटूंगा जरूरत पड़ी तो प्राणों की बाजी लगादूंगा। इस अवसर पर युवा पत्रकार राजेश यादव, अमित कुमार, सौरभ पांडे, लालबहादुर, समीर सिंह, अश्वनी यादव, मंगलसिंह, आदि दर्जनों से अधिक पत्रकार लोग शामिल रहे।

मां का सपना पूरा करेगी बेटी उच्च पदों को सुशोभित करेगी

संवाददाता/सैयद रिजवान अली

भोपाल। सपने सच हो जाते हैं हर दुआ काम आती है कुछ ऐसा ही हुआ है रवीना वैष्णव के साथ अपनी मेहनत लगन और घर काम कामकाज कर अपनी आजीविका ब्यूटी पार्लर दूसरों को सुंदर बनाने का काम करने वाली अपने बच्चों को अच्छी और उच्च तालीम दिलाना चाहती है जिसके लिए वह अच्छे कालेज अच्छी पढ़ाई की तलाश में थी और यह सपना उसका अब पूरा होने जा रहा है बेटी संस्कृति बी टेक करना चाहती थी और उसे देश का नाम चीन कॉलेज एसआरएम इंस्टीट्यूट आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी कट्टंकोलातुर चेन्नई तमिल नाडु का मिला। 4 वर्ष के बेटे कोर्स के लिए साडे 1450000 चौदह लाख पचास हजार फीस की आवश्यकता थी। तब जाकर मां बेटी का सपना ड्रीम पूरा होता बहुत प्रयास किए फिर कहीं जाकर

सफलता मिली मनावर की राष्ट्रीय कृत केनरा बैंक से शिक्षा ऋण लेकर बेटी संस्कृति का सपना अब पूरा होगा 750000 सात लाख पचास हजार बैंक द्वारा शिक्षा ऋण की औपचारिकता पूर्ण कर बेटी संस्कृति वैष्णव के हाथ में कॉलेज के नाम डीडी दिया। शेष फीस परिवार वहन करेगा। मा रवीरा वैष्णव और बेटी दोनों की आंखों में आंसू आ गए। अब सपना उनका पूरा होगा शाखा प्रबंधक सुमित पोरवाल ने बताया होनहार और ऊजावॉन बच्चों के लिए बैंक शिक्षा ऋण देती है जिससे बच्चा अपना सपना पूरा कर सकते हैं और उच्च पदों को सुशोभित कर अपनी आजीविका प्रारंभ कर सकते हैं। संस्कृति वैष्णव ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा से अब तक 90 और 95% अंक प्राप्त किए हैं जिसकी वजह से देश का नाम चीन कॉलेज में उनका चयन हुआ है और उस कॉलेज की खासियत यह है कि हाल ही में वहां से डिग्री लेने के बाद एक छात्र का एक करोड़ 85 लाख सालाना पैकेज पर चयनित होना बताया जा रहा है यह गौरव की बात है।

ग्वालियर हाउसिंग बोर्ड में जातिवाद के साथ अटैचमेंट का खेल निराला

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़ / मुकेश शर्मा

राजस्थान ग्वालियर (मध्यप्रदेश) गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल का ग्वालियर संभाग भ्रष्टाचार का नरक कुंड बन चुका है जिसकी बैतरणी में उपायुक्त एस.के सुमन जैसे कई अधिकारी गोते लगा रहे हैं। अभी हाऊसिंग बोर्ड में बाबुओं के अटैचमेंट का अजीबोगरीब खेल चल रहा है, अगर आप किसी खास जाति के हैं और अवुभव हीन हैं तब भी पैसे दो और संपदा शाखा में अटैचमेंट कराओ हां अगर दूसरी जाति का कोई बाबू है तो लूपलाइन में रहेगा अगर किसी पर मंत्री की खास कृपा है या बो मंत्री की जाति का है तो उसकी बात अलग है बो ऑफिस भी न आये तो कोई कुछ नहीं बोलता। जी हां यह खेल हाउसिंग बोर्ड में कोई और नहीं बल्कि स्वयं उपायुक्त एस.के सुमन यह खेल रहे हैं श्री सुमन ने अपने सजातीय लगभग आधा दर्जन बाबुओं को हाउसिंग बोर्ड की संपदा शाखा में अटैच कर रखा है। सूत्र बताते हैं कि इन बाबुओं से श्री सुमन ने 25 से 50 हजार रुपये तक सुविधा शुल्क ली है ऊपर से जातिवाद का धर्म भी निभाया।उपायुक्त एस.के सुमन द्वारा नियम

विरुद्ध संपदा शाखा में अटैच किये गए बाबुओं में डीपी गर्ग मूल पदस्थापना ग्वालियर अटैचमेंट संपदा शाखा गुना, अतर सिंह तिजोरिया, जयनारायण चौरसिया, जय सिंह कौशल के अलावा अपने सजातीय लोगों को अवैध रूप से कम्प्यूटर ऑपरेटर भी बना रखा है कम्प्यूटर ऑपरेटर रखने की स्वीकृति मुख्यालय से ली है या नहीं इस बात का जवाब श्री सुमन ठीक से नहीं दे पाये।आपको बताते चलें कि हाउसिंग बोर्ड ग्वालियर संभाग के उपायुक्त एस.के सुमन और विवाद चोली दामन का साथ है फिर बो उन पर दर्ज 420 की एफआईआर हो, सुमन की अकूत संपत्ति, नौकरानी बाला मामला हो या इनका इनका पागलपन बताया जाता है श्री सुमन कुछ वर्षों पहले पागल रह चुके हैं। पागलपन के शिकार व्यक्ति को हाउसिंग बोर्ड ने कैसे इतने महत्वपूर्ण पद पर बिठाल रखा है यह बात मेरी समझ से तो परे है पर बोर्ड के आलाधिकारी जानते हैं या नहीं? यह भी एक कारण होसकता है कि अध्यक्ष आशुतोष तिवारी और आयुक्त भरत यादव के ड्रीम प्रोजेक्ट ठाठीपुर पुनर घनत्वी करण योजना के प्रोजेक्ट पर आजतक काम शुरू होपाया है जिससे बोर्ड को करोड़ों का नुकसान होचुका है। आज हालत यह है कि मण्डल के पास कर्मचारियों का वेतन देने के लाले पड़े हैं क्योंकि जनवरी से लेकर आजतक मण्डल के राजस्व में भारी कमी आई है इस बात की जानकारी ऊपर तक है परंतु कार्यवाही क्यों नहीं होरही है इस को भगवान जाने। हालांकि अध्यक्ष आशुतोष तिवारी और आयुक्त भरत यादव काफी समय से बोर्ड के ग्वालियर संभाग की व्यवस्थाओं को सुधारने का प्रयास कर रहे हैं पर यहां की हकीकत उन तक नहीं पहुंच रही है यही कारण है कि यहां हर कोई मनमानी कर रहा है।

इनका कहना है: संपत्ति शाखा में कोई अन्य कर्मचारी कार्य करने को तैयार नहीं है इसलिए इनको अतिरिक्त चार्ज देदिया है परन्तु अपने पागलपन, नौकरानी तथा हाउसिंग बोर्ड के राजस्व में कमी के सवाल पर कोई जबाब नहीं दिया।

एस.के सुमन उपायुक्त
मध्यप्रदेश ग्रह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल ग्वालियर

श्रीकृष्ण प्रतिदिन सुबह शाम यज्ञ करते थे : आचार्य विष्णुमित्र वेदार्थी

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। आर्य समाज अर्वातिका योग यज्ञ कार्यशाला के तत्वाधान में श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव एवं दिव्य सत्संग रश्मि पुस्तक का विमोचन अर्वातिका डबल टंकी वाला पार्क में किया गया आचार्य विष्णु मित्र वेदार्थी के ब्रह्मत्व में यज्ञ संपन्न हुआ। सुप्रसिद्ध भजनोपदेशक पंडित अंकित उपाध्याय जी ने इस आतंकवाद के समय में श्रीकृष्ण जैसे महापुरुष, न्यायप्रिय, दुराचारियो का नाश करने के लिए और शांति धर्म की स्थापना के लिए आज आवश्यकता है और उन्होंने भगवान आर्यों को ऐसी लगन लगा दो,देश धर्म की खातिर मरना हमें सिखा दो गीत गया तथा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर अंकित एवं नरेश चन्द्र द्वारा आधुनिक साजबाज पर गाए गीतों से श्रोता झूम उठे। श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के उपलक्ष्य मे आचार्य विष्णु मित्र वेदार्थी जी ने यज्ञ कराया और बताया यज्ञ संसार का सर्वोत्कृष्ट कर्म है श्रीकृष्ण प्रतिदिन सुबह शाम यज्ञ करते थे।उन्होंने कहा आज हम यहां पर श्रीकृष्ण जी का गुणानुवाद करने के लिए एकत्रित हुए हैं,संसार में तीन चीजे हैं, ईश्वर, जीव और प्रकृति चौथी कोई वस्तु नहीं है। परमात्मा ने सारा जगत प्रकृति से मनुष्य के लिए बनाया है। तीनों अनादि सत्ताएं हैं, सत्य हैं, इनका

विनाश नहीं होता। जीवात्मा का शरीर के साथ संयोग जन्म और वियोग मृत्यु है। परमात्मा सर्व व्यापक है, विद्या की वृद्धि और अविद्या नाश करो विष्णु मित्र जी ने कहा- महर्षि दयानंद ने सत्यार्थ प्रकाश में लिखा कि श्रीकृष्ण का चरित्र महाभारत में अतिउत्तम है उन्होंने जन्म से मरण पर्यन्त कोई गलत काम नहीं किया।श्रीकृष्ण आप्त पुरुष थे,जिसका अर्थ होता है छल कपट से रहित, धार्मिक, विद्वान, शुद्ध, पवित्र। श्री कृष्ण राजा थे।राजा को कूटनीतिज्ञ होना होता है उसको अत्याचारियों को और उनका साथ देने वालों को साम, दाम, दंड और भेद चारों प्रकार से नष्ट किया जा सकता है, इसीलिए श्री कृष्ण ने गुरु द्रोणाचार्य और भीष्म पितामह का वध छल कपट से कराया।उनके बताए पथ पर चलेंगे तभी उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर समाज के प्रधान वेद प्रकाश तोमर द्वारा प्रकाशित यज्ञ भजन से संबंधित 'दिव्य सत्संग रश्मि' पुस्तक का विमोचन गाजियाबाद नगर निगम की मेयर श्रीमती आशा शर्मा द्वारा किया गया। आर्य समाज अर्वातिका की संरक्षिका एवं मंच संचालिका डॉ प्रतिभा सिंघल ने बताया कि नंद बाबा के लाख गाय थी।वे माखन चोर नहीं थे।कृष्ण जी पर लगाया हुआ यह लांछन हटाना चाहिए किसी भी हिंदू को श्रीकृष्ण जी को माखन चोर नहीं कहना चाहिए।श्याम चूड़ी बेचने आया जैसे गीत नहीं गाने चाहिए।श्री कृष्ण जी के साथ राधा कृष्ण न कहकर रुक्मणी कृष्ण कहना चाहिए। इस उत्सव में आर्य समाज के सभी पदाधिकारियों एवं अर्वातिका वासियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। छोटे-छोटे बच्चों ने गीता के श्लोक और इससे संबंधित गीत प्रस्तुत किए और उनको परिणाम स्वरूप समाज द्वारा पुरस्कृत किया गया।इस अवसर पर सर्वश्री प्रवीण आर्य,त्रिलोक शास्त्री,वेद प्रकाश तोमर,सुरेंद्र सिंह,रेखा गर्ग, जगदीश आर्य,एसपी सिंह,आशा आर्या,तेज पाल सिंह,प्रमोद शास्त्री,सत्य पाल आर्य, डॉ. अग्नि देव शास्त्री,ज्ञान प्रभा बंसल, सुमन जिंदल एवं संजीव आदि मौजूद रहे। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

अपराधियों का तांडव नहीं रुक रहा अपराधियों ने युवक को गोली मारकर की हत्या

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। मोहिउद्दीनगर थाना क्षेत्र के मटिऔर में शुक्रवार की रात बदमाशों ने एक युवक को गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक कि पहचान धर्मपुर गांव निवासी स्व. अभिमन्यु सिंह के 28 वर्षीय पुत्र पवन कुमार सिंह के तौर पर की गयी है। घटना कि जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। सूत्रों ने जानकारी दी है कि पवन घटना की शाम घर पर था। इसी बीच दो बाइक पर सवार चार की संख्या में युवकों में से एक युवक घर पर आकर मटिऔर स्थित काली मंदिर परिसर में कथा होने की बात कहने लगा। पवन घर से निकलकर उक्त युवकों के साथ चला गया। काफी रात बीत जाने के बाद जब वह घर नहीं आया तो उसकी खोजबीन प्रारम्भ की गयी। इसी बीच शनिवार की सुबह मटिऔर में एक युवक की हत्या की तस्वीर वायरल हो गयी, जिसके आधार पर उसकी पहचान की गयी। इधर मटिऔर के ग्रामीणों का बताना था कि शुक्रवार की देर संध्या हो रही बूंदाबांदी के बीच लगातार फायरिंग की आवाज सुनाई दी थी, इसे लेकर कई तरह की आशंकाएं होने लगी। घटना की सूचना पुलिस को दी गयी। इसी बीच युवक के शरीर में करीब कई गोलियां उतारकर बदमाश बाईक से फरार हो गये और घटना स्थल पर ही युवक ने दम तोड़ दिया। थानाध्यक्ष उमेश कुमार पासवान के नेतृत्व में पहुंची पुलिस ने घटना स्थल से तीन खोखे बरामद की है। घटना के बाबत थानाध्यक्ष ने बताया कि परिजनों के द्वारा अभी तक आवेदन नहीं दिया है। वैसे पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गयी है। इधर घटना से दहशत में है ग्रामीण। बीते चार महीनों में मटिऔर गांव में दो लोगों की हत्या से ग्रामीणों में खौफ का माहौल बना हुआ है।

देश भर में राजीव गांधी को याद किया जा रहा है तो नवोदय मॉडल की वजह से

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गाँधी जी की जयंती पर सादर नमन। प्रवीण कुमार नवोदियन बताते हैं कि श्री राजीव जी को याद करना है तो 634 जिलो मे चल रहे 661 नवोदय विद्यालय की वजह से याद किया जाए एक नवोदयन से पूछा जाए कि अगर उसके जीवन मे नवोदयँ नही होता तो आज वह कहा होते, वे हमेशा एक ऐसे विजनरी प्रधानमंत्री के रूप में याद किये जायेंगे, जिन्होंने इस देश को समर्पित शिक्षा का उत्कृष्ट मॉडल जवाहर नवोदय विद्यालय दिया। ग्रामीण क्षेत्रों की तमाम प्रतिभाओं को इन नवोदय विद्यालय में न सिर्फ निःशुल्क शिक्षा दी जाती थी, बल्कि हॉस्टल से लेकर रोजमर्रा तक की चीजें निःशुल्क थीं। बस एक ध्येय था कि नवोदय में पढ़े ये बच्चे एक दिन अपनी प्रतिभा

से समाज और राष्ट्र को ऊँचाइयों पर ले जाएँगे और समाज ने उन पर जो खर्च किया है, उसका अवदान देंगे। आज भी नवोदय विद्यालय अपनी उसी गरिमा के साथ संचालित हैं। देश-दुनिया में नवोदय से पढ़कर निकले लाखों विद्यार्थी आज समाज व राष्ट्र को नया मुकाम दे रहे हैं। अधिकतर ग्रामीण पृष्ठभूमि के ये विद्यार्थी आज जिन ऊँचाइयों पर हैं, उसका श्रेय नवोदय की नव उदय की उस भावना को जाता है, जहाँ जात-पात, धर्म, अमीर-गरीब, शहरी-ग्रामीण जैसे तमाम विभेद भूलकर सब सिर्फ एक सकारात्मक सोच के साथ नए पथ पर अग्रसर होते हैं। आज उस सोच को सलाम करते हुए,हम तमाम नवोदयन्स की तरफ से स्वर्गीय श्री राजीव गांधी जी को कोटि कोटि प्रणाम। उक्त जानकारी जालोर के प्रवीण कुमार ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सावधान.. सावधान.. सावधान.. गुजरात की पुलिस निर्दोषों को मारती हैं?

खाकी वाले गुंडे ने ओजियाणा के प्रकाश सिंह रावत के साथ बेवजह मारपीट की

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। अगर आप गुजरात जा रहे हैं तो जरा सावधान रहें क्योंकि वहां खाकी वाले गुंडे इतने बेखौफ हो चुके हैं कि वो रस्ते चलते निर्दोष व्यक्ति को बिना वजह उसकी पिटाई कर सकते हैं और जब रक्षक ही भक्षक बन जाए तो उम्मीद आखिर किससे की जा सकती हैं? ऐसा ही एक मामला सामने आया है जहां राजस्थान के भीलवाड़ा जिले की आसींद तहसील के ओजियाणा गांव के रहने वाले प्रकाश सिंह रावत के साथ पुलिस वाले गुंडे द्वारा मारपीट की यह घटना सामने आई है। घटना 16 अगस्त की रात्रि 10 बजे की है। जहां घटना गुजरात के सुरेन्द्र नगर जिले के लीमड़ी गांव की है। पेशे से ड्राइवर प्रकाश सिंह गाड़ी लेकर उड़ीसा जा रहा था। रास्ते में भूख लगने पर हाइवे पर लींमड़ी से चार किलोमीटर दूर अहमदाबाद की तरफ सांवरिया होटल पर खाना खाने रुका। जैसे ही प्रकाश ने भोजन करना शुरू किया तभी वहां एक पुलिस वाला शिवा भाई नामक व्यक्ति व उसके साथ एक दूसरे व्यक्ति गोपाल सिंह ने शराब के नशे में धुत प्रकाश सिंह से बदतमीजी करने लगे और खाना खाते हुए प्रकाश सिंह को बोले कि ऐसा जानवर की तरह कैसे खाना खा रहा है? फिर भी प्रकाश सिंह ने शालिनता से उन्हें कहा कि मैं कैसे भी खाऊं अपने पैसे से खा रहा हूं। प्रकाश सिंह का यह कहना उस खाकी वाले गुंडे शिवा भाई व अन्य गोपाल

सिंह को इतना नागवार गुजरा कि वो बिना वजह ही प्रकाश सिंह के साथ मारपीट करने लगे। खाकी वाले गुंडे शिवा भाई से तो शराब के नशे में सही तरीके से बोला भी नहीं जा रहा था। उसके साथ गाली-गलौच करते हुए कहने लगे कि तु हमको नहीं जानता कि हम कौन है? और मारपीट शुरू कर दी। जैसे तैसे किसी अन्य ने प्रकाश सिंह को छुड़ाया और फिर प्रकाश सिंह ने अपने सेठ को फोन किया तो सेठ ने पहले अस्पताल जाकर इलाज करवाने को कहा और फिर संबंधित पुलिस थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज करवाने को कहा। प्रकाश सिंह ने पहले अस्पताल जाकर अपना इलाज कराया फिर पुलिस थाने जाकर उन दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। और सख्त कार्रवाई की मांग की। घटनानुसार प्रकाश सिंह ने संबोधित पुलिस थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई और उसे सुबह आने के लिए कहा। प्रकाश सिंह सुबह गया तो महज एक पुलिसकर्मी ही घटना स्थल पर पहुंचा और प्रकाश सिंह से बोला कि कार्रवाई हो जाएगी और तुम गाड़ी लेकर जा सकते हो। इतनी बड़ी संगीन मारपीट की वारदात होने के बावजूद भी महज एक पुलिसकर्मी आना खाकी पर सवालिया निशान लगाता है। शिवा भाई नामक व्यक्ति के खाकी से ऊंचे रसूखात के चलते कार्रवाई होना असंभव है। और इसके पेट्रोल पंप भी बताया जा रहा है। पुलिस हमेशा दूसरों की सुरक्षा के लिए होती हैं मगर जब रक्षक ही भक्षक बन जाए तो उम्मीद किससे की जा सकती हैं। इस खाकी वाले गुंडे शिवा भाई ने गुजरात पुलिस की छवि को दागदार कर दिया है। अब देखना यह होगा कि संबंधित पुलिस थाना प्रकाश सिंह रावत की रिपोर्ट पर कार्रवाई करता है या फिर उसे भी ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा।

कानपुर के रावतपुर में डायरिया से दर्जनों बीमार, एक की मौत

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां महानगर के अति संवेदनशील इलाके रावतपुर को डायरिया ने अपनी चपेट में ले लिया है, जिसके फलस्वरूप दर्जनों लोग बीमार पड़ गए हैं जबकि एक युवक की मौत हो चुकी है । घटना से इलाके लोगों में रोष व्याप्त है और उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है` इस बीच जिलाधिकारी ने भी मौके पर पहुंच कर आवश्यक आदेश निर्देश दिए हैं। जानकारी के मुताबिक रावतपुर गांव में शुक्रवार को डायरिया फैलने से एक युवक की मौत हो गई। बच्चों सहित 50 से ज्यादा लोग बीमार हैं। सार्वजनिक सबमर्सिबल पंप का पानी संक्रमित होने और इस वजह से डायरिया फैलने की आशंका जताई जा रही है। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने यहां पर स्वास्थ्य शिविर लगवाया। 50 मरीजों को दवाएं दी गईं। घर-घर क्लोरीन की गोलियां बांटी गईं। बाल रोग चिकित्सालय में भी डायरिया, निमोनिया, मैनिनजाइटिस, बुखार से पीड़ित बच्चे भर्ती हुए हैं। क्षेत्रीय लोगों द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिकरावतपुर गांव में 18 अगस्त से ही कई लोगों को दस्त होने लगे थे। इसी क्षेत्र में रहने वाले विनय (35) की सुबह हालत बिगड़ गई। गंभीर हालत में हैलट ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आलोक रंजन मौके पर पहुंचे। सीएमओ ने डायरिया से मृत्यु और कई अन्य के बीमार होने की पुष्टि की है। यहां पर बताया गया कि गाजिया के कल के मुन्ना नाम के युवक की मौत हो गई जिससे लोगों में रोष व्याप्त है। वहीं दूसरी ओर प्रशासन का कहना है कि इलाज के लिए सारी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। सूचना पर आज जिलाधिकारी ने भी वहां का दौरा किया है और आवश्यक आदेश निर्देश भी दिए हैं।

गोविंद नगर में अपराधियों के पीछे पड़े इंस्पेक्टर रोहित तिवारी

संदिग्धों पर पैनी के साथ गोविंद नगर इलाके में लगातार जारी पुलिस की गश्त

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां चुनौती पूर्ण ईद ,बकरीद मोहर्रम स्वाधीनता दिवस और कृष्ण जन्माष्टमी के त्योहार को शांति पूर्ण तरीके से सम्पन्न अपने में सफल रही गोविंद नगर पुलिस अपराधियों का पीछाभी लगातार कर रही है इसी के चलते सघन गश्त के साथ ही संदिग्धों पर पैनी नजर रखते हुए उनकी तलाशी भी ली जा रही है। इसीलिए गोविंद नगर पुलिस इंस्पेक्टर रोहित तिवारी की अगुवाई में थाना क्षेत्र की लगभग हर गली में घूमती रहती है। दरअसल आपराधिक गतिविधियों के मामले में गोविंद नगर भी कम चुनौतीपूर्ण नहीं है साधारण सी सतर्कता का अभाव भी अपराधियों को मौका दे देता है। इसीलिए गोविंद नगर पुलिस उनके खिलाफ लगातार अभियान जारी किए हुए हैं। साथ ही यह भी अवगत कराते चलें कि हर तरह के अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले गोविंद नगर पुलिस की कमान साधारण सूचनाओं पर भी खुद मौके पर पहुंचकर तत्काल प्रभावी कार्रवाई करने और वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश निर्देश का अक्षरशः अनुपालन के लिए भी चर्चित लोकहित में अपनी धुन के पक्के निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के स्वाभिमानी स्वभाव वाले उन तेज तर्रार, व्यवहार कुशल और कठोर परिश्रमी जुझारू इंस्पेक्टर रोहित तिवारी के हाथ में है, जिनका पुलिस विभाग में अबतक का इतिहास यह साबित करता है कि उनकी कर्तव्य के प्रति प्रगाढ़ निष्ठा केवल हत्या जैसी संगीन वारदातों को ही नहीं बल्कि हर छोटी से छोटी घटना को भी बहुत गम्भीरता से लेकर पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाही और पीड़ितों की सहायता में भी अग्रणी रही है।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामेश्वर लाल डूडी की माता जी ओर कांग्रेस कार्यकर्ता मुनीर कुरैशी की माता 98 वर्षीय हलीमा बानो का हुआ इंतकाल पर संवेदना व्यक्त की: एन डी कादरी

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। सामाजिक एवं आरटीआई कार्यकर्ता एन डी कादरी ने बताया कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राजस्थान विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री रामेश्वर लाल डूडी की माताजी श्रीमती आशा देवी जी के निधन पर आज उनके बीकानेर स्थित निवास पर पहुंचकर संवेदनाएं व्यक्त की और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस के पुराने व निष्ठावान कार्यकर्ता मुनीर कुरैशी की माता 98 वर्षीय हलीमा बानो का शनिवार को इंतकाल हो गया। हिरनबाजों का मौहल्ला स्थित निवास

स्थान जाकर मरहुम की मगफिरत दुआ की गई इस मौके अब्दुल रहमान लोदरा, मुरली पन्नू, विजेंद्र सिंह राठौड़, पार्षद शहजाद भुट्टो, मौहम्मद आरिफ भुट्टो, ब्लॉक अध्यक्ष और पार्षद आनद सिंह सोढा, महेंद्र सिंह सोढा, अविनाश राठौड़, मुस्लिम महासभा से एन डी कादरी, शाहरुख खान, सोहैल खान शेख, राजा शेख, आदि ने स्वेदना व्यक्त कि गई।

मुस्लिम महासभा ने उदयपुर में हजरत ईमाम हुसैन की याद में बनाया दलिम

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

उदयपुर। मुस्लिम महासभा उदयपुर के मोहतरम ईरशाद खान द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शहादत ऐ हजरत ईमाम हुसैन की याद में यहाँ अशरफी मोहल्ला उदयपुर में दलिम की देगे बनवा कर फातिहा दिला कर पूरे भारत वर्ष में खुशहाली और भाईचारा बना रहे इस हेतु दुआएँ मांगी गई इस दौरान मुस्लिम महासभा के सैय्यद अशरफ अली, ईस्माइल खान, नोशाद खान, चाँद खान, मेहबूब खान, शबनम खान, सरीना खान, मदीना खान, शमीम खान, जीशान खान आदि उपस्थित रहे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अकेले होने पर आ जाए हार्ट अटैक तो अपनाएं ये तरीके!

बदलते लाइफस्टाइल औक खान-पान में हो रहे निरंतर बदलाव के कारण आज हर व्यक्ति किसी न किसी बीमारी से ग्रस्त है, जिसमें से एक हार्ट अटैक भी है। आज हार्ट अटैक की समस्या काफी सुनने को मिलती है। अक्सर ऐसा होता है कि हार्ट का मरीज अकेले होने पर कई बार उसे अटैक आ जाता है। ऐसे में उस मरीज को तुरंत डॉक्टर के पास ले जाने वाला बी कोई नहीं होता, जिस वजह से कई बार मरीज की जान तक चली जाती है। ऐसी स्थिति में हार्ट मरीज को कुछ सावधानियां बरतने की जरूरत है ताकि वह किसी की गैरमौजूदगी में अपने-आप को हार्ट अटैक जैसी घटान से बचा सके। हार्ट अटैक आने पर पेशेंट को मेडिकल सहायता जितनी जल्दी मिल जाएं उतना ही बेहतर है। डॉक्टर तक पहुंचने से पहले थोड़ी समझदारी से काम ले। आज हम आपको कुछ ऐसे ही आसान से टिप्स बताने जा रहे, जिनको हार्ट अटैक आने पर अपनाना चाहिए , ताकि प्रॉब्लम को कंट्रोल किया जा सकता है।

- जमीन पर सीधे लेट जाएं और रेस्ट करें। ज्यादा हिलने की कोशिश न करें।
- पैरों को छोड़ी ऊचाई पर रखें। ताकि इससे पैरों के ब्लड की सप्लाई हार्ट तक हो सकते है और बीपी कंट्रोल हो जाए।
- हार्ट अटैक जैसे फिल होने पर तुरंत अपने कपड़ों को थोड़ा ढीला कर लें। इससे बैचेनी कम होगी।
- फिर धीरे-धीरे लंबी सांस लें। इससे शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन मिल सकें।
- अटैक आते ही सोरबिट्रेट की एक गोली जीभ के नीचे रखें । अगर यह गोली न मिले तो डिस्प्रीन की गोली लें सकते है। दवाई के अलावा और कुछ भी न खाएं
- उल्टी आए तो एक तरफ मुड़कर करें ताकि उल्टी लंग्स में न भरें।
- ऐसी स्थिति में पानी या कोई और ड्रिंक पीने की कोशिश न करें। इससे उल्टी आ सकती है और प्रॉबल्म बढ़ सकती है।
- अपने आसपास के किसी भी परिचित को सुचित करें और डॉक्टर को बुलाने की कोशिश करें।

क्या आप भी इयरबड से कान साफ करते है?

अधिकतर लोग अपने कान साफ करने के लिए इयरबड्स का प्रयोग करते है,लेकिन आपको यह काफी मंहगा पड़ सकता है। क्योंकि इयरबड्स से कान साफ करने से हमारे कान को कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। इयर बड्स का कान में इस्तेमाल करने पर कई बार तो कान के पर्दे भी फट सकते हैं या सुनने की क्षमता कम हो सकती है। ई.एन.टी स्पेशलिस्ट का कहना है कि आमतौर पर कान की मैल साफ करने की कोई जरूरत नहीं होती क्योंकि ये कान में धूल मिट्टी जाने से बचाव करती है और समय-समय पर कान की बनावट के कारण खुद ही साफ हो जाती है।आइए जानें,इससे क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं.

1. बार बार इयरबड डालने से कान के अंदर का हिस्सा चौड़ा हो जाता है, इससे कान में ज्यादा धूल-मिट्टी जाती है और इससे कान को ओर ज्यादा नुकसान होता है।
2. इयरबड्स से कान साफ करते समय कई बार मैल पूरा बाहर ना आकर अंदर की तरफ चला जाता है जो कान के परदे पर जमा हो जाता है जिससे कम सुनाई देने की शिकायत हो सकती है।
3. इयर बड्स के ऊपर रुई लगी होती है, अगर वो कान के अंदर रह जाए तो वो पानी सोखकर कान के अंदर फंगल इन्फेक्शन का कारण बनती है।
4. इयरबड्स बार बार इस्तेमाल करने से कान में खुजली होने लगती है और उसे दूर करने के लिए हमे इयरबड्स की आदत लग जाती है, जिससे कान के अंदर की स्किन छिलने का खतरा रहता है।
5. अनजाने में इयरबड कान के अंदर तक चला जाता है और कान के पर्दे को नुकसान पंहुचा सकता है।
6. कान के अंदर चिकनाहट होती है जो मैल को कान के पर्दे तक नहीं पहुंचने देती लेकिन इयर बड्स से कान साफ करने से ये चिकनाहट चली जाती है जिससे कचरा सीधे कान के पर्दे तक पहुंचकर उसे नुक्सान पहुंचा सकता है।

उंगलियों की सूजन दूर करने के लिए अपनाएं घरेलू उपाय!

सर्दी का मौसम में स्किन संबंधित कई समस्याओं का सामना करना पड़ता हैं। इन दिनों में अधिकतर लोगों के हाथ-पैर की उंगलियां सूजने लगती हैं। उंगलियां सूजने पर काफी दर्द होता है और काम करने में भी मुश्किल आती है। कुछ लोगों की उंगलियां बहुत लाल हो जाती है स्किन उतरने लगती है। किचन में मौजूद चीजों से भी आप इस समस्या से छुटकारा पा सकते है।

मटर: उंगलियों में सूजन आने पर मटर का इस्तेमाल करें। मटर को पानी में उबाल लें। इस पानी में कुछ देर अपनी उंगलियों को डालें। इससे सूजन कम होगी।

शलगम: शलगम को पानी में उबाल लें। इसके पानी से उंगलियों को धोएं। इससे सूजन कम होगी और दर्द से राहत मिलेगी।

सरसों का तेल: सरसों के तेल में नमक मिलाकर अपनी उंगलियों पर लगा लें। इस उपाय को रात में करें। तेल लगाकर उंगलियों को कवर कर लें। सुबह तक उंगलियों की सूजन कम हो जाएगी।

फिटकरी: पानी में फिटकरी और नमक मिलाकर उबाल लें। इससे उंगलियों को धोएं। इससे सूजन कम होगी।

हल्दी और जैतून का तेल: जैतून के तेल में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर गर्म कर लें। इसे अपने पैरों की उंगलियों में लगाएं।

बिजली का झटका लगे तो ऐसे करें उपचार

कई बार घर में काम करते समय अचानक से कोई अनहोनी हो जाती है, जिसमें से एक है बिजली का करंट लगना। जब किसी को करंट लग जाता है तो कुछ भी सोचने-समझने की शक्ति खत्म सी हो जाती है। हड़बड़ी में कुछ समझ में नहीं आता है कि ऐसा क्या किया जाएं कि मरीज को डॉक्टर के पास लेकर जाने से पहले कौन-सा ट्रीटमेंट दिया जाए ताकि करंट लगे व्यक्ति की थोड़ी परेशानी कम हो सके है। अगर आपके आस-पास भी कुछ ऐसी घटना होती दिखें और पीड़ित की हार्ट बीट रूक जाएं तो कुछ टिप्स अपनाएं और पीडित की मदद करें।

1. एम्बुलेंस आने तक बेहोश व्यक्ति से मुंह से सांस दें। उसके सीने पर एक फुट दूर से प्रैशर से दबाव बनाएं, ताकि पीड़ित की दिल की धड़कने चलती रहे। व्यक्ति को सीधा लिटाकर पैरों को उपर की ओर उठा दें।
2. ध्यान रखें, जिस व्यक्ति को करंट लगा है उसे खुले हाथों से पकड़ने की कोशिश न करें।
3. तुरंत पॉवर सप्लाई को हटा दें और फिर करंट लगे व्यक्ति को, वहां से हटाने के लिए लकड़ी या प्लॉस्टिक की किसी चीज का इस्तेमाल करें।
4. पीड़ित की सांस चेक करें। कोई भी गड़बड़ी होने पर तुरंत एम्बुलेंस बुलाएं।
5. अगर उस व्यक्ति को होश आ जाएं तो उसे खाने-पीने के लिए कोई चीज न दें। उसको करवट दिलाकर जले हुए या करंट वाले हिस्से पर कोई भी मरहम लगाएं।
6. करंट लगने से कई बार वह हिस्सा सुन्न या लकवाग्रस्त हो सकता है। इसलिए बेहोशी न आने पर भी हेल्थ ट्रीटमेंट जारी रखें।

ध्यान रखने वाली बात

- दो पीन वाले सॉकेट के बजाए तीन पिन वाला रखें क्योंकि इससे करंट लगने का खतरा काफी कम होता है।
- अगर तीन पीन वाला प्लग भी लगा है तो भी इसकी समय-समय जांच कवाते रहे। ध्यान रखें इसके तीनो तार जुड़े हो कोई भी पिन खराब न हो।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अक्षय कुमार ने ली फिल्मों के फ्लॉप होने की जिम्मेदारी

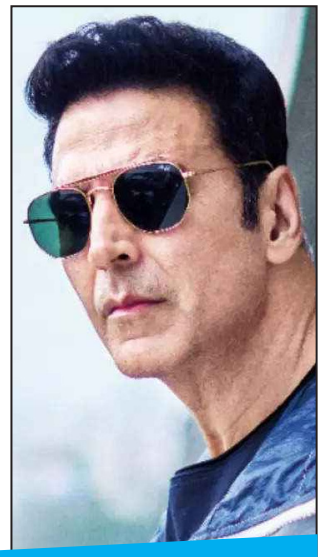

बॉलीवुड में खिलाड़ी कुमार के तौर पर मशहूर अक्षय कुमार की फिल्में इस साल बड़े पर्दे पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पा रहीं हैं। अभिनेता की एक के बाद एक फिल्म बॉक्स ऑफिस पर पिटती दिखाई दे रही है। वहीं अभी हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'रक्षा बंधन' का तो बॉक्स ऑफिस पर बुरा हाल हुआ। फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच लाने में सफल नहीं हो पाई है। अक्षय कुमार स्टारर 'रक्षा बंधन' समेत कई फिल्मों के खिलाफ सोशल मीडिया पर बॉयकॉट ट्रेंड भी चलाया गया। अपनी फिल्मों के लगातार फ्लॉप होने के बाद अब एक्टर का जो बयान सामने आया है उसे देखकर तो यही लग रहा है कि लोगों के गुस्से के आगे खिलाड़ी कुमार ठंडे पड़ गए है। अभिनेता ने हाल ही में फिल्म के ना चलने पर अपनी गलती मान ली है। हाल ही में अक्षय कुमार अपनी अपकमिंग फिल्म 'कठपुतली' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट पर पहुंचे थे। 'कठपुतली' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है और लोगों को वो काफी पसंद भी आ रहा है। इस इवेंट में अक्षय के अलावा फिल्म की बाकि स्टार कास्ट भी शामिल हुई थी।

आलिया बदलने जा रही हैं अपना नाम

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ब्रह्मास्त्र के प्रमोशन में लगे हुए है। फैंस इन दोनों को पहली बार बड़े पर्दे पर एकसाथ देखने के लिए काफी एकसाइटेड है। आलिया अपनी प्रेग्नेंसी फेज को खूब इंज्वाय कर रहे है। खबरों की मानें तो आलिया और रणबीर दिसंबर महीने तक मां-बाप बन सकते है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान आलिया ने लोगों को बताया कि अपने बेबी के वेलकम से पहले उन्होंने एक और तैयारी कर ली है। आलिया बेबी के वेलकम से पहले क्या खास करना चाहती है...? आलिया ने बताया कि वो अपने बेबी वेलकम से पहले अपने पति रणबीर कपूर का सरनेम अपने नाम के साथ जोड़ना चाहती है। एक्ट्रेस ने बताया कि वो अब कपूर फैमिली का हिस्सा बन गई हैं। इसलिए अब वो जल्द ही अपना नाम ऑफिशियली बदलकर आलिया भट्ट कपूर करने वाली हैं। उन्होंने कहा- मुझे ऐसा करके खुशी होगी। आलिया ने आगे कहा कि रणबीर कपूर ने शादी के बाद पासपोर्ट पर अपना मैरिटल स्टेटस बदल लिया है। अब हमारा बेबी होने वाला है। मैं अब भट्ट नहीं रहना चाहती हूं। कपूर परिवार एक साथ ट्रैवल कर रहा है, आप जानते हैं मेरा क्या मतलब है? मैं लेफ्ट आउट नहीं फील करना चाहती हूं। वहीं, आलिया ने कहा- मैं हमेशा आलिया भट्ट ही रहूगीं, लेकिन अब मैं कपूर भी हूं।

फ्रीडम फाइटर के रोल में नजर आएंगी सारा अली खान

सारा अली खान ने बहुत कम वक्त में फिल्म इंडस्ट्री में अपनी खास जगह बना ली हैं। एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग किसी सुपरस्टार से कम नहीं है। सारा ने साल 2018 में फिल्म केदारनाथ से बॉलीवुड डेब्यू किया था। उस फिल्म में सारा की एक्टिंग को लोगों ने काफी पसंद किया था। उसके बाद सिम्बा और अतरंगी रे जैसी फिल्मों में सैफ की लाडली ने अपने अभिनय से लोगों का दिल जीत ले लिया है। वहीं जल्द ही अब सारा एक फ्रीडम फाइटर के किरदार में नजर आने वाली हैं। फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर फिल्म निर्माता करण जौहर की फिल्म ए वतन में सारा अली खान एक स्वतंत्रता सेनानी के रोल में नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सारा की पहली फ्रीडम फाइटर फिल्म इसी साल सितंबर में रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज के लिए एक्ट्रेस ने तैयारी शुरू कर दी है, सार पहली बार वास्तविक किरदार निभाने को लेकर काफी एक्साइटेड है। बता दें कि इस फिल्म में सारा अली खान फ्रीडम फाइटर उषा मेहता का किरदार निभाने वाली हैं। फिल्म का फोकस मुख्य रूप से उषा मेहता के रेडियो स्टेशन शुरू करने पर केंद्रित होगा, जिसे कांग्रेस रेडियो कहा जाता है। साल 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान इस रेडियो स्टेशन ने कुछ महीनों तक काम किया था। इस फिल्म का निर्माण करण जौहर के धर्मा एंटरटेनमेंट द्वारा किया जाएगा और इसका प्रीमियर सीधे अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा। इस फिल्म का निर्देशन फिल्म एक थी डायन बनाने वाले कन्नन अय्यर ने किया है, जबकि इसकी कहानी दरब फारूकी द्वारा लिखी गई है। खास बात ये है कि उषा मेहता के जीवन पर बनने वाली यह अकेली फिल्म नहीं है।